निरीक्षण | सकरी में सफेद पलाश समूह की महिलाओं से जमीन पर बैठकर ली जानकारी

कलेक्टर ने देखी पोषण वाटिका, मार्केट लिंकेज पर दिया जोर

मोहगांव/मंडला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने मोहगांव विकासखंड की ग्राम पंचायत कौआडोंगरी के ग्राम सकरी का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने सफेद पलाश आजीविका स्व-सहायता समूह द्वारा मनरेगा के अभिसरण से संचालित सामुदायिक पोषण वाटिका का विस्तृत निरीक्षण किया। कलेक्टर ने वाटिका में लगे आम के बगीचे, जल कुंड, अरहर की फसल, सब्जी की क्यारियों और नाडेप पिट समेत विभिन्न गतिविधियों का बारीकी से अवलोकन किया।

जमीन पर बैठकर दीदियों से की चर्चा

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री धोटे सादगी दिखाते हुए समूह की महिलाओं के साथ वाटिका के भीतर बनी झोपड़ी में जमीन पर बैठे। उन्होंने महिलाओं से वाटिका की जमीन तैयार करने, फलदार पौधों के रोपण, सब्जी उत्पादन के लिए बीज प्रबंधन और उत्पादित फसल के विक्रय की बुनियादी जानकारी ली। समूह की महिलाओं ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2022 में इस वाटिका को तैयार करने का काम शुरू किया था। मनरेगा के माध्यम से उन्हें तकनीकी व वित्तीय मदद प्राप्त हुई। समूह ने कैश क्रेडिट लिमिट के जरिए बैंक से ऋण लेकर काम को आगे बढ़ाया। वर्तमान में इस समूह से 12 दीदियाँ जुड़ी हैं, जो मिलकर इसका सफल संचालन कर रही हैं।

अधिकारियों को दिए संयुक्त विजिट के निर्देश

कलेक्टर ने आम के विक्रय की स्थिति जानने के बाद एसडीएम घुघरी को निर्देशित किया कि वे उद्यानिकी, कृषि, आजीविका मिशन और मंडी के अधिकारियों के साथ एक संयुक्त विजिट प्लान तैयार करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आपसी समन्वय से समूह के उत्पादों को बेहतर मार्केट लिंकेज प्रदान करें।

औषधीय पौधों की खेती का दिया सुझाव

चर्चा के दौरान कलेक्टर ने महिलाओं को परंपरागत फल और सब्जी की खेती के साथ-साथ औषधीय पौधों की खेती अपनाने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि बाजार में औषधीय फसलों की मांग काफी अधिक है, जिससे समूह की आय में और बढ़ोतरी हो सकती है। भ्रमण के दौरान उन्होंने वाटिका में लगे आम्रपाली आम और जामुन का स्वाद चखा तथा उनकी गुणवत्ता की सराहना की। इस अवसर पर एसडीएम घुघरी सचिन जैन, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक तथा प्रदान संस्था की टीम मौजूद रही। कलेक्टर ने समूह के प्रयासों की तारीफ करते हुए इस मॉडल को अन्य समूहों के लिए प्रेरणादायी बताया।

इनका कहना है

फसल का उत्पादन करने के बाद सबसे महत्वपूर्ण भाग उसका मार्केट लिंकेज है। सभी विभागों के समन्वय से समूह के उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराया जाए, जिससे महिलाओं को उचित मूल्य मिल सके।

राहुल नामदेव धोटे, कलेक्टर, मंडला

1.94 लाख की अवैध शराब व लाहन जब्त

नाले के किनारे चल रहे 3 ठिकानों पर दबिश, आबकारी बल को देख भागे आरोपी

मंडला। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण और विक्रय के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशन और जिला आबकारी अधिकारी एवं कार्यवाहक सहायक जिला आबकारी अधिकारी शैली सैयाम के मार्गदर्शन में आबकारी वृत मंडला द्वारा अवैध शराब के अड्डों पर ताबड़तोड़ दबिश दी गई।

आबकारी विभाग की टीम ने महाराजपुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम मड़ई में नाले के किनारे दबिश की कार्रवाई की। यहाँ मदिरा का अवैध रूप से निर्माण और विक्रय किया जा रहा था। टीम ने मौके पर घेराबंदी कर 3 अवैध अड्डों से लगभग 95 लीटर हाथ भट्टी से बनी कच्ची मदिरा बरामद की।

1800 किलो महुआ लाहन मौके पर नष्ट

कार्रवाई के दौरान आबकारी टीम को मदिरा निर्माण के लिए रखा भारी मात्रा में महुआ लाहन भी मिला। यह लाहन 180 प्लास्टिक के डब्बों में भरकर रखा गया था, जिसमें प्रत्येक डिब्बे में करीब 10 किलो लाहन मौजूद था। टीम ने कुल 1800 किलो महुआ लाहन जब्त कर मौके पर ही विधिवत नष्ट कर दिया। जब्त की गई मदिरा और सामग्री की कुल अनुमानित कीमत 1 लाख 94 हजार 250 आंकी गई है।

आरोपी फरार, तलाश जारी

दबिश के दौरान आबकारी बल को अचानक सामने देख आरोपी मौके से भाग खड़े हुए, जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। विभाग द्वारा अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत विधिवत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया गया है।

कार्रवाई में शामिल रही यह टीम

इस सफल कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक सर्वेश नागवंशी, कार्यवाहक मुख्य आरक्षक दुर्जन कुलेश, आरक्षक विजय कमलेश, सत्यपाल मरावी, नेतराम ककोटिया, रघुनाथ उइके और महेश पटेल मुख्य रूप से शामिल रहे। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध मदिरा के निर्माण और परिवहन के खिलाफ यह सख्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में प्रगति रजक को मिला गोल्ड मेडल

मंडला. प्रतिभा जब परिश्रम का हाथ थाम ले और संकल्प लक्ष्य से जुड़ जाए, तब सफलता इतिहास बन जाती है। जिले की प्रतिभाशाली बेटी प्रगति रजक ने अपनी अद्वितीय मेहनत और बौद्धिक क्षमता के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्णिम सफलता हासिल की है। उन्होंने प्रतिष्ठित धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जबलपुर के तृतीय दीक्षांत समारोह में एलएलएम पाठ्यक्रम में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर गोल्ड मेडल अर्जित किया है।

दीक्षांत समारोह में देश की न्यायपालिका, विधि शिक्षा जगत की नामचीन हस्तियों तथा अनेक विशिष्ट अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति में प्रगति को इस सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया।

वरिष्ठ अधिवक्ता एनके रजक की हैं सुपुत्री

प्रगति रजक, जिला अधिवक्ता संघ मंडला की सदस्य एवं क्षेत्र के वरिष्ठ अधिवक्ता एनके रजक की सुपुत्री हैं। आज के दौर में जब युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा समय प्रबंधन की चुनौती और सोशल मीडिया की लत से जूझ रहा है, तब प्रगति की यह असाधारण सफलता एक महत्वपूर्ण सीख देती है।

प्रगति रजक की इस गौरवपूर्ण राष्ट्रीय उपलब्धि पर क्षेत्र के शिक्षाविदों, अधिवक्ताओं, सामाजिक संगठनों, जन प्रतिनिधियों एवं शुभचिंतकों ने खुशी जाहिर करते हुए प्रगति को उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को बताए कम लागत में अधिक मुनाफे के गुर

निवास में प्राकृतिक खेती पर कृषक संगोष्ठी आयोजित

निवास। निवास कृषि विभाग के तत्वावधान में प्राकृतिक खेती विषय पर एक दिवसीय कृषक संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को रासायनिक खादों और कीटनाशकों के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा उन्हें पूर्णतः पर्यावरण-अनुकूल खेती अपनाने के लिए प्रेरित करना था। संगोष्ठी में क्षेत्र के 100 से अधिक प्रगतिशील महिला एवं पुरुष किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्षा मंजुलता कुलस्ते, भाजपा मंडल अध्यक्ष आकाश पांडे, जिला किसान मोर्चा अध्यक्ष संजीत पांडे, वीरेंद्र धर, बसंत चौधरी, झनकलाल मरावी, रमिया बाई, यतींद्र मोहन विश्वकर्मा, राकेश रजक और कृषि विज्ञान केंद्र मंडला के वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

लागत कम और मुनाफा ज्यादा-तकनीकी सत्र को संबोधित करते हुए कृषि वैज्ञानिक डॉ. केके राणा और डॉ. प्रणय भारती ने कहा कि लगातार रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति कम हो रही है। उन्होंने जोर देकर कहा प्राकृतिक खेती केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं करती, बल्कि यह किसान की खेती की लागत को शून्य के करीब लाती है, जिससे उनका शुद्ध मुनाफा बढ़ता है।

किसानों को मिला व्यावहारिक प्रशिक्षण-संगोष्ठी के दौरान वैज्ञानिकों ने किसानों को जीवामृत, बीजामृत और घनजीवामृत बनाने की विधि विस्तार से समझाई। इसके साथ ही गाय के गोबर, गोमूत्र, बेसन और गुड़ की मदद से जैविक खाद तथा प्राकृतिक कीट नियंत्रक (नीमास्त्र व ब्रह्मास्त्र) बनाने का जीवंत प्रदर्शन किया गया, जिसमें किसानों ने गहरी रुचि दिखाई।

सरकारी योजनाओं और बाजार लिंक की दी जानकारी-कृषि अधिकारियों ने सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती के लिए दी जाने वाली सब्सिडी, तकनीकी सहायता और जैविक प्रमाणपत्र प्राप्त करने की प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार प्राकृतिक उत्पादों के लिए विशेष बाजार भी तैयार कर रही है ताकि उपज के बेहतर दाम मिल सकें। अंत में सभी किसानों को मार्गदर्शिका वितरित की गई और खेत के कम से कम एक छोटे हिस्से में इसका प्रयोग शुरू करने की अपील की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यवाहक वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पंकज धुर्वे सहित कृषि विस्तार अधिकारी रवीन्द्र मरावी, अनिल पटेल, हेमन्त राठौड़, रुचिका चोपड़ा एवं सुनीता सोलंकी की मुख्य भूमिका रही। संगोष्ठी का समापन सभी आगंतुकों के स्वल्पाहार और धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

उदयपुर माध्यमिक शाला में मनाया प्रवेश उत्सव

उदयपुर। जन शिक्षा केंद्र उदयपुर के अंतर्गत पीएम श्री शासकीय माध्यमिक शाला उदयपुर में नया शैक्षणिक सत्र के साथ प्रवेश उत्सव कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा केंद्र मंडला के एपीसी केके उपाध्याय, विकासखंड स्रोत समन्वयक मनोज चंदेल और एमआरसी अरविंद यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नए और पुराने विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया और उन्हें पाठ्यपुस्तकें वितरित की गईं। शाला में उपस्थित पालक-शिक्षक संघ के सदस्यों को संबोधित करते हुए एपीसी उपाध्याय ने बच्चों की नियमित उपस्थिति, शुद्ध पेयजल और गुणवत्तापूर्ण मध्यान्ह भोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं बीआरसी मनोज चंदेल ने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आप सब कल का भविष्य हैं, इसलिए प्रतिदिन शाला आएं।

सरपंच-सचिव और उपयंत्री पर लगे मिलीभगत के आरोप

सड़क निर्माण की जांच की मांग

नारायणगंज। जनपद पंचायत नारायणगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया उर्फ नारायणगंज में विधायक निधि से निर्मित सीसी सड़क निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वर्ष 2025 में लगभग 10 लाख रुपये की लागत से निर्मित सड़क की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं है तथा निर्माण कार्य में मजदूरी भुगतान संबंधी अभिलेखों में भी पारदर्शिता दिखाई नहीं दे रही है।

ग्रामीणों के अनुसार राजू के खेत से पीपल तक तथा नारायणगंज से पड़रिया मार्ग पर निर्मित सीसी सड़क

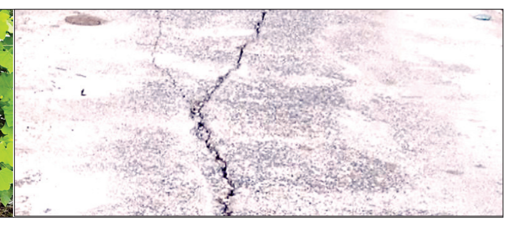

लंबे इंतजार के बाद स्वीकृत हुई थी, लेकिन निर्माण के कुछ समय बाद ही इसकी गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि निर्माण कार्य में मानकों का पालन नहीं किया गया और कार्य पूर्ण होने के बाद भुगतान भी कर दिया गया।

स्थानीय श्रमिकों को नहीं मिल रहे अवसर-ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि सड़क निर्माण से संबंधित बिलों एवं भुगतान दस्तावेजों में मजदूरों को किए गए भुगतान का स्पष्ट विवरण उपलब्ध नहीं है। क्षेत्र के मजदूर वर्ग का कहना है कि पंचायत क्षेत्र में अनेक लोग रोजगार की तलाश में हैं, लेकिन निर्माण कार्यों में स्थानीय श्रमिकों को पर्याप्त अवसर नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में मजदूरी भुगतान को लेकर संदेह और अधिक गहरा रहा है।

ग्रामीणों ने उठाई उच्चस्तरीय जांच की मांग-सूत्रों के हवाले से ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पंचायत स्तर पर विभिन्न निर्माण कार्यों में सरपंच, सचिव, उपयंत्री और सप्लायरों की मिलीभगत से अनियमितताएं की जा रही हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्माण कार्यों की तकनीकी एवं वित्तीय जांच कराई जाए तो वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है। उनका आरोप है कि विकास कार्यों के नाम पर सरकारी राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है, जिससे शासन की योजनाओं का लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच पा रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, जनपद पंचायत एवं संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि सीसी सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता, भुगतान प्रक्रिया तथा मजदूरी संबंधी अभिलेखों की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या वित्तीय गड़बड़ी सामने आती है तो दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्याखेट पर प्रतिबंध

मंडला। मत्स्य संपदा के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से प्रदेश में मछलियों के प्रजनन काल को ध्यान में रखते हुए 16 जून से 15 अगस्त तक सभी नदियों एवं जलाशयों में मत्स्याखेट पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार बंद ऋतु के दौरान नदियों, जलाशयों एवं निर्धारित जल स्त्रोतों में किसी भी प्रकार का मत्स्याखेट, मछलियों का विक्रय तथा परिवहन प्रतिबंधित रहेगा। शासन द्वारा यह कदम मछलियों की प्राकृतिक प्रजनन प्रक्रिया को सुरक्षित रखने तथा मत्स्य संसाधनों के संरक्षण के लिए उठाया गया है। नियमों का उल्लंघन करने वालों अधिनियम, 1981 की धारा 5 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल परिसर में कथित गांजा पौधे की सूचना से मचा हड़कंप

जांच की मांग तेज

मण्डला। जिले के विकासखंड नारायणगंज अंतर्गत संचालित शासकीय एकीकृत हाईस्कूल परिसर में मुख्य द्वार के समीप कथित रूप से गांजा का पौधा लगे होने की सूचना सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा सच्चाई सामने लाने की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय के मुख्य गेट के पास एक पौधा लगा हुआ है, जिसे कुछ लोगों द्वारा गांजा का पौधा बताया जा रहा है। हालांकि इसकी

आधिकारिक पुष्टि अभी तक किसी सक्षम विभाग द्वारा नहीं की गई है। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि यदि यह वास्तव में गांजा का पौधा है तो यह गंभीर विषय है, क्योंकि विद्यालय परिसर बच्चों की शिक्षा और संस्कार का केंद्र होता है।कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि वे स्वयं ऐसे पौधों की पहचान करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए वन विभाग अथवा संबंधित विशेषज्ञों द्वारा इसकी जांच कराई जानी चाहिए। लोगों का कहना है कि बिना वैज्ञानिक परीक्षण और विभागीय पुष्टि के किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। सूत्रों के अनुसार मामले की जानकारी संबंधित विभागों तक पहुंचाई गई है। वहीं कुछ लोगों ने विद्यालय परिसर और अन्य शासकीय संस्थानों के आसपास संदिग्ध पौधों की समय-समय पर जांच किए जाने की आवश्यकता भी जताई है।

क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि प्रशासन, शिक्षा विभाग एवं वन विभाग संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण कर पौधे की वास्तविक पहचान सुनिश्चित करें। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

फिलहाल पूरे मामले की सत्यता विभागीय जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी, लेकिन विद्यालय जैसे संवेदनशील परिसर में ऐसी सूचना सामने आने से अभिभावकों और नागरिकों में चिंता का माहौल है। प्रशासन से शीघ्र जांच कर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करने की अपेक्षा की जा रही है।

बारिश में बच्चों की सुरक्षा पर मंडराया खतरा

समतलीकरण के नाम पर मिट्टी डालकर छोड़ा खेल मैदान

नारायणगंज/मण्डला। विकास खंड नारायणगंज स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सामने खेल मैदान का समतलीकरण कार्य पंचायत ने तो करा दिया गया, लेकिन निर्माण एजेंसी द्वारा मैदान में केवल पीली मिट्टी डालकर कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने से विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम में यह मैदान कीचड़ से भर सकता है, जिससे बच्चों को खेलकूद और विद्यालय आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

जानकारी के अनुसार विद्यालय के सामने स्थित खेल

मैदान का समतलीकरण इस उद्देश्य से कराया गया था कि छात्राओं को बेहतर एवं सुरक्षित खेल सुविधा उपलब्ध हो सके। साथ ही बड़ी संख्या में विद्यार्थी इसी मैदान से होकर विद्यालय पहुंचते हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि मैदान में केवल पीली मिट्टी डालकर समतलीकरण कर दिया गया है, जबकि कार्य के दौरान निर्माण एजेंसी ने आश्वासन दिया था कि मिट्टी डालने के बाद मैदान में मुरूम एवं डस्ट बिछाकर रोलर से दबाया जाएगा, जिससे मैदान मजबूत और उपयोगी बन सके।

सुनील नामदेव की पुण्यतिथि पर मरीजों को बांटे फल

भुआ बिछिया। भुआबिछिया क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार पूर्व मंडी बोर्ड विशेषज्ञ और अनगिनत कार्यकर्ताओं के प्रेरणा स्रोत रहे स्व. सुनील नामदेव की प्रथम पुण्यतिथि पर आज उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उनके परिवार, इष्ट मित्रों और विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संगठनों से जुड़े कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से भुआ बिछिया स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर सेवा कार्य किया। सुबह 11 बजे स्व. सुनील नामदेव के चाहने वाले और नगर के गणमान्य नागरिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया पहुंचे। यहाँ उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों, उनके परिजनों और समस्त स्वास्थ्य विभाग के स्टाफ को फल वितरित किए। फल वितरण के पश्चात उपस्थित जनों ने अस्पताल परिसर में दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने स्व. सुनील नामदेव को एक सामाजिक और धार्मिक पथ-प्रदर्शक के रूप में याद किया। सहयोगियों ने कहा कि उनका जीवन समाज के लिए समर्पित था और वे हमेशा क्षेत्र के लोगों के दिलों में बसे रहेंगे।

संवेदनशीलता | संक्रमण से गल चुकी थी पालतू खरगोश की आंख, डॉक्टरों ने किया जटिल ऑपरेशन

आंख का सफल ऑपरेशन कर बेजुबान खरगोश को दी नई जिंदगी

मंडला। पशुपालन एवं डेयरी विभाग मंडला के चिकित्सकों ने संवेदनशीलता और अपनी विशेषज्ञता का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है। विभाग की एक विशेष मेडिकल टीम ने एक पालतू खरगोश की गंभीर नेत्र समस्या का सफलतापूर्वक ऑपरेशन कर उसकी जान बचाई है। इस जटिल शल्य चिकित्सा की क्षेत्र में काफी सराहना हो रही है।

जानकारी के अनुसार, स्थानीय निवासी हेमराज नंदा के पालतू खरगोश की एक आंख में पिछले करीब 6-7 महीनों से

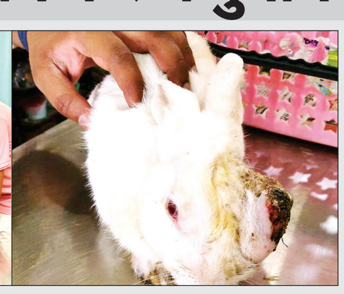

गंभीर घाव था। लगातार बढ़ते संक्रमण के कारण खरगोश की एक आंख पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। स्थिति इतनी नाजुक थी कि संक्रमण शरीर के अन्य आंतरिक हिस्सों में फैलने का खतरा बढ़ गया था, जिससे खरगोश की जान को खतरा था।

पॉलीक्लीनिक टीम ने तैयार किया सर्जरी प्लान-पशुपालक श्री नंदा ने दो दिन पूर्व सर्जरी विंग के प्रभारी डॉ. सुमित कुमार पटेल से संपर्क कर खरगोश की हालत बताई। इसके बाद पॉलीक्लीनिक चिकित्सालय की टीम ने खरगोश की विस्तृत जांच की और खतरे को भांपते हुए तत्काल शल्य चिकित्सा (सर्जरी) की योजना तैयार की।

पशुपालक ने जताया आभार-पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार बुधवार को विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने खरगोश का सफलतापूर्वक ऑपरेशन संपन्न किया। डॉक्टरों ने बताया कि ऑपरेशन के बाद खरगोश की स्थिति पूरी तरह सामान्य और स्वस्थ है। अपने पालतू पशु को ठीक होते देख पशुपालक श्री हेमराज नंदा ने डॉक्टरों की टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए गहरी प्रसन्नता जताई है।

इनका रहा विशेष योगदान-उपसंचालक, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के कुशल मार्गदर्शन में यह जटिल ऑपरेशन सफल हो सका। इस सफल शल्य चिकित्सा में सर्जरी टीम के मुख्य सदस्य डॉ. सुमित कुमार पटेल, डॉ. श्रुति गौर एवं डॉ. ललित चौरसिया की अत्यंत महत्वपूर्ण और सराहनीय भूमिका रही।